सवैये (रसखान)

पाठ का परिचय

कवि रसखान भगवान श्रीकृष्ण को पूर्ण समर्पित कवि थे। उनका यह समर्पण उनके द्वारा रचित सवैयों के एक-एक शब्द से व्यक्त होता है। श्रीकृष्ण के प्रति उनके समर्पण को व्यक्त करते चार सवैयों का संकलन किया गया है। इनमें प्रथम एवं द्वितीय सवैये में श्रीकृष्ण और उनकी ब्रजभूमि के प्रति उनका अनन्य समर्पण व्याप्त हुआ है। तृतीय सवैये में गोपियों के माध्यम से कृष्ण की रूप-माधुरी के प्रति उनका समर्पण वक्रोक्ति के द्वारा प्रदर्शित हुआ है। मुरली के प्रति गोपी की ईर्ष्या उसके श्रीकृष्ण के प्रति समर्पण की पराकाष्ठा है। चतुर्थ सवैये में कृष्ण की मुरली-माधुरी और कृष्ण की मुसकान के अपरिमित प्रभाव-वर्णन में उनकी समर्पण-भावना चरम तक पहुँच गई है।

कविता का भावार्थ

सवैये

1. मानुष हौं तो........................कूल कदंब की डारन।।

भावार्थ–कवि रसखान ब्रजभूमि के प्रति अपना अनुराग प्रकट करते हुए कहते हैं–यदि मैं अगले जन्म में मनुष्य बनूँ तो गोकुल गाँव के ग्वालों के बीच रहूँ। यदि मैं पशु के रूप में संसार में जन्म लूँ (जिस पर मेरा कोई वश नहीं) तो मेरा तो बस यही कहना है कि मैं गाय के रूप में जन्म लेकर प्रतिदिन नंद की गायों के बीच ब्रजभूमि पर विचरण करूँ। यदि ईश्वर मुझे अगले जन्म में पत्थर बनाए तो फिर उस गोवर्धन-पर्वत का अंग बनाए, जिसे गोकुलवासियों को इंद्र के कोप से बचाने के लिए कृष्ण ने छत्र (छत या छतरी) के रूप में अपनी उँगली पर धारण कर लिया था। यदि ईश्वर मुझे पक्षी बनाए तो मैं यमुना के तट पर स्थित कदंब की डालों के बीच अपना बसेरा बनाऊँगा। इस प्रकार मैं ब्रजभूमि से सदैव अपना संबंध बनाए रखना चाहता हूँ।

2. या लकुटी अरु......................कुंजन ऊपर वारौं।।

भावार्थ–रसखान कहते हैं–कृष्ण की लाठी और कंबली के बदले मैं तीनों लोकों का राज भी खुशी से त्याग दूँ। नंद की गायों को चराने के बदले संसार की आठों सिद्धियों और कुबेर की नौ निधियों के सुखों को भी छोड़ दूँ। कब मैं अपनी आँखों से ब्रज प्रदेश के वनों, उपवनों और सरोवरों को देख सकूँगा? करील के घने लता-मंडपों को देखकर तो मन होता है कि इनमें निवास करने के लिए करोड़ों सोने के महलों (भवनों) को भी इन पर न्योछावर कर दूँ।

3. मोरपखा सिर.....................अधरा न धरौंगी।।

भावार्थ–कृष्ण से अनुराग रखने वाली एक गोपी अपनी दूसरी अंतरंग सखी से कहती है–हे सखी! मैं कृष्ण के प्रेम में अपने सिर पर मोरपंखों का बना मुकुट पहन लूँगी। अपने गले में गुंजा की माला डाल लूँगी। कृष्ण का-सा रूप धारण करने के लिए मैं कृष्ण के ही जैसे पीले वस्त्र भी धारण कर लूँगी और क्या कहूँ; मैं तो कन्हैया की तरह अपने हाथों में लाठी लेकर गायों और ग्वालों के संग वन-वन उन्हें चराती घूमती रहूँगी। वह कृष्ण मेरे मन को बहुत लुभाता है। उससे मुझे बहुत ही प्रेम है, इसलिए तेरे कहने पर मैं यह सारा स्वाँग रच लूँगी, परंतु ऐ सखी! कृष्ण ने जिस मुरली को अपने होंठों पर रखा था, उस मुरली को मैं किसी भी स्थिति में अपने अधरों पर स्थान नहीं दे सकती। यही वह मुरली है, जिसके कारण कृष्ण ने हमें विस्मृत कर रखा है।

4. काननि दै अँगुरी..........................न जैहै, न जैहै।।

भावार्थ–कृष्ण की सम्मोहक मुरली-धुन से व्याकुल होकर एक गोपी कहती है–हे सखी! जब कृष्ण धीरे-धीरे मधुर स्वर में मुरली बजाएँगे, तब मैं तो अपने कानों में उँगली दे लूँगी, जिससे कि वंशी का मोहक स्वर मुझ पर जादू न डाल सके। फिर वह मनमोहन कृष्ण चाहे अट्टालिकाओं पर, ऊँचाई पर चढ़-चढ़कर भी अपनी मोहिनी तान छेड़ता रहे तो छेड़े, गोधन गाता रहे तो गाए, मुझ पर उसका कोई प्रभाव न पड़ेगा, परंतु यदि किसी प्रकार उस कृष्ण की मधुर वंशी-धुन मेरे कानों में पड़ गई तो फिर क्या होगा, मैं नहीं कह सकती। हे ब्रज के लोगो! मैं तुम्हें पुकार-पुकारकर कह रही हूँ, सब सुन लो। चाहे तब फिर मुझे कोई कितना ही समझाए, मेरी मस्ती कम नहीं होगी। हे मेरी माँ! कृष्ण के मुख की मुसकान ऐसी सम्मोहक है कि उसके जादू से किसी प्रकार बचा नहीं जा सकता। उसका सुख तो मैं चाहकर भी सँभाल नहीं सकूँगी; अर्थात् कृष्ण की मोहक मुसकान के वशीभूत होकर जब मोहिनी में मैं बौराई-सी फिरूँगी, तब मुझे कोई न टोकना।

भाग-1

बहुविकल्पीय प्रश्न

काव्यांशों पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

निर्देश–निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्प चुनकर लिखिए–

(1) मानुष हौं तो वही रसखानि बसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन।
जौ पसु हौं तो कहा बस मेरो चरौं नित नंद की धेनु मँझारन।।
पाहन हौं तो वही गिरि को जो कियो हरिछत्र पुरंदर धारन।
जौ खग हौं तो बसेरो करौं मिलि कालिंदी कूल कदंब की डारन।।

1. रसखान मनुष्य-रूप में कहाँ बसना चाहते हैं–

(क) मथुरा में (ख) काशी में
(ग) गोकुल गाँव में (घ) बरसाने में।

2. रसखान किस पर्वत का पत्थर बनना चाहते हैं–

(क) हिमालय का (ख) गोवर्धन का
(ग) नीलगिरि का (घ) मैनाक पर्वत का।

3. 'पुरंदर' शब्द का अर्थ है–

(क) शिव (ख) विष्णु
(ग) इंद्र (घ) गणेश।

4. पक्षी बनकर रसखान कहाँ रहना चाहते हैं–

(क) यमुना के किनारे कदंब की डाल पर
(ख) तालाब के किनारे कुंजों में
(ग) गंगा के किनारे पीपल पर
(घ) किसी पेड़ की कोटर में।

5. 'कालिंदी कूल कदंब की डारन' में अलंकार है–

(क) अनुप्रास (ख) यमक
(ग) श्लेष (घ) उत्प्रेक्षा

उत्तर– 1. (ग) **2.** (ख) **3.** (ग) **4.** (क) **5.** (क)।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(2) या लकुटी अरु कामरिया पर राज तिहूँ पुर को तजि डारौं।
आठहुँ सिद्धि नवौ निधि के सुख नंद की गाइ चराइ बिसारौं।।
रसखान कबौं इन आँखिन सौं, ब्रज के बन बाग तड़ाग निहारौं।
कोटिक ए कलधौत के धाम करील के कुंजन ऊपर वारौं।।

1. **रसखान श्रीकृष्ण की लाठी और कंबल पर क्या न्योछावर करने को तैयार हैं–**
(क) घर-परिवार (ख) धन-दौलत
(ग) तीनों लोकों का राज (घ) कुछ भी नहीं।
2. **सिद्धियाँ कितनी होती हैं–**
(क) चार (ख) पाँच
(ग) छह (घ) आठ।
3. **रसखान अपनी आँखों से किसे निहारना चाहते हैं–**
(क) यमुना का जल को
(ख) मंदिर में श्रीकृष्ण की मूर्ति को
(ग) ब्रज के वन-बाग-तड़ाग को
(घ) अपनी वाटिका को।
4. **कवि करोड़ों सोने के महल किस पर न्योछावर करना चाहते हैं–**
(क) यमुना पर
(ख) श्रीकृष्ण पर
(ग) गोकुल गाँव पर
(घ) ब्रज के करील के कुंजों पर।
5. **'बन बाग' में कौन-सा अलंकार है–**
(क) यमक (ख) उपमा
(ग) रूपक (घ) अनुप्रास।

उत्तर– 1. (ग) **2.** (घ) **3.** (ग) **4.** (घ) **5.** (घ)।

(3) मोरपखा सिर ऊपर राखिहौं, गुंज की माल गरें पहिरौंगी।
ओढ़ि पितंबर लै लकुटी बन गोधन ग्वारनि संग फिरौंगी।।
भावतो वोहि मेरो रसखानि सों तेरे कहे सब स्वाँग करौंगी।
या मुरली मुरलीधर की अधरान धरी अधरा न धरौंगी।।

1. **गोपी सिर पर क्या धारण करेगी–**
(क) मुकुट (ख) मोरपंख
(ग) पुष्पगुच्छ (घ) पगड़ी।
2. **गोपी गले में कैसी माला धारण करेंगी–**
(क) फूलों की (ख) मोतियों की
(ग) सोने की (घ) गुंज की।
3. **सखी के कहने पर गोपी कृष्ण बनने का स्वाँग क्यों करती है–**
(क) वह कृष्ण को पाना चाहती है
(ख) वह स्वयं को कृष्णमय बनाना चाहती है
(ग) वह ग्वालों के संग गाय चराने जाना चाहती है
(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।
4. **गोपी क्या करने में स्वयं को असमर्थ बताती है–**
(क) नृत्य करने में
(ख) वंशी बजाने में
(ग) श्रीकृष्ण की मुरली को अपने होठों पर धारा करने में
(घ) माखन की चोरी करने में।
5. **'अधरान धरी अधरा न धरौंगी' में कौन-सा अलंकार है–**
(क) यमक (ख) अनुप्रास
(ग) श्लेष (घ) उपमा।

उत्तर– 1. (ख) **2.** (घ) **3.** (ख) **4.** (ग) **5.** (क)।

पाठ पर आधारित प्रश्न

निर्देश–*निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर विकल्प चुनकर लिखिए–*

1. **रसखान का जन्म कब माना जाता है–**
(क) सन् 1550 में (ख) सन् 1548 में
(ग) सन् 1570 में (घ) सन् 1530 में।
2. **रसखान ब्रज में ही क्यों बसना चाहते हैं–**
(क) उन्हें ब्रज की सुंदरता लुभाती है
(ख) ब्रज उनकी पैतृक भूमि है
(ग) ब्रज कृष्ण-लीला की भूमि है
(घ) ब्रज महत्त्वपूर्ण जगह है।
3. **रसखान किसके उपासक थे–**
(क) श्रीराम के (ख) श्रीकृष्ण के
(ग) शिव के (घ) विष्णु के।
4. **रसखान की कविता का मूल भाव क्या है–**
(क) श्रृंगार
(ख) समाज-कल्याण
(ग) भक्ति
(घ) आडंबर का विरोध करना।
5. **सखी के कहने पर गोपी क्या स्वाँग करती है–**
(क) वह श्रीकृष्ण जैसे कपड़े पहनती है
(ख) वह सिर पर मोर का पंख लगाती हैं
(ग) गले में गुंज की माला पहनती है
(घ) उपर्युक्त सभी।
6. **निधियाँ कितनी मानी जाती हैं–**
(क) आठ (ख) नौ
(ग) दस (घ) ग्यारह।
7. **पशु के रूप में रसखान क्या बनना चाहते हैं–**
(क) बैल (ख) गाय
(ग) हाथी (घ) घोड़ा।
8. **पशु बनकर रसखान कहाँ चरना चाहते हैं–**
(क) यमुना के किनारे (ख) गोवर्धन पर्वत पर
(ग) नंद की गायों के बीच में (घ) इनमें से कहीं नहीं।
9. **रसखान नंद की गाय चराने के बदले क्या छोड़ने को तैयार हैं–**
(क) अपना घर
(ख) अपना गाँव
(ग) अष्ट सिद्धि और नव-निधि का सुख
(घ) महलों में रहने का सुख।
10. **गोपी पीतांबर ओढ़कर और लाठी लेकर किसके संग घूमेगी –**
(क) श्रीकृष्ण के (ख) अपनी सखियों के
(ग) गाय और ग्वालों के (घ) इनमें से कोई नहीं।
11. **रसखान का मूल नाम क्या था–**
(क) मोहम्मद सलीम (ख) सैयद इब्राहिम
(ग) अब्दुल्ला खान (घ) खरीफ खान।
12. **श्रीकृष्ण की मुरली की धुन से बचने के लिए गोपी क्या करेगी–**
(क) आँखे बंद कर लेगी (ख) घर में छिप जाएगी
(ग) कानों में अँगुलि रख लेगी (घ) कहीं दूर चली जाएगी।
13. **श्रीकृष्ण की मुरली की तान कैसी है–**
(क) मोहिनी (ख) अप्रिय
(ग) कटु (घ) इनमें से कोई नहीं।
14. **श्रीकृष्ण कहाँ चढ़कर गोधन गाते हैं–**
(क) पेड़ पर (ख) पर्वत पर
(ग) अट्टालिका पर (घ) घर की छत पर।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

15. **गोपी से क्या नहीं सँभाली जाती–**
(क) कृष्ण के मुख की मधुर मुसकान
(ख) धन एवं संपत्ति
(ग) किनारीदार साड़ी
(घ) उपर्युक्त से कुछ नहीं।

उत्तर– **1.** (ख) **2.** (ग) **3.** (ख) **4.** (ग) **5.** (घ) **6.** (ख) **7.** (ख) **8.** (ग) **9.** (ग) **10.** (ग) **11.** (ख) **12.** (ग) **13.** (क) **14.** (ग) **15.** (क)।

भाग-2

वर्णनात्मक प्रश्न

काव्य-बोध परखने हेतु प्रश्न

निर्देश–*निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए–*

प्रश्न 1 : कवि रसखान पुनर्जन्म में क्या-क्या बनना चाहते हैं?

उत्तर : कवि रसखान पुनर्जन्म में गोकुल गाँव का ग्वाला, नंद की गायों के बीच में चरने वाला पशु, श्रीकृष्ण द्वारा धारण किए जाने वाले पर्वत का पत्थर और यमुना के किनारे स्थित कदंब के पेड़ पर निवास करने वाला पक्षी बनने की इच्छा करते हैं।

प्रश्न 2 : तीनों लोकों के राज को रसखान किसके ऊपर न्योछावर करने को तैयार हैं?

उत्तर : कवि रसखान श्रीकृष्ण की ग्वाले वाली लाठी और काली कंबली पर तीनों लोकों का राज न्योछावर करने को तैयार हैं।

प्रश्न 3 : कवि की आँखें किन-किन चीज़ों को निहारना चाहती हैं?

उत्तर : कवि की आँखें ब्रज के वन, बाग और तड़ाग निहारना चाहती हैं।

प्रश्न 4 : गोपी ब्रज के सारे लोगों को क्या बता देना चाहती है?

उत्तर : गोपी ब्रज के सारे लोगों को यह बता देना चाहती है कि कृष्ण की मोहक मुसकान के सामने वह स्वयं को रोक नहीं पाएगी, चाहे सारे ब्रज के लोग उसे कितना ही समझाएँ।

प्रश्न 5 : गोपी गोधन और ग्वालों के साथ वन-वन क्यों फिरना चाहती है?

उत्तर : गोपी श्रीकृष्ण से मिलना चाहती है और उनके साथ रहना चाहती है। श्रीकृष्ण ग्वाला हैं। वे सारा दिन गायों और ग्वालों के संग वन में घूमते हैं। यही कारण है कि गोपी भी ग्वाले का रूप धारण करके गोधन और ग्वालों के साथ वन-वन घूमना चाहती है।

प्रश्न 6 : कवि का ब्रज के वन, बाग और तालाब निहारने के पीछे क्या कारण है?

उत्तर : कवि ब्रज के वन, बाग और तालाब इसलिए निहारते रहना चाहता है; क्योंकि इन सभी से कृष्ण की यादें जुड़ी हुई हैं। कृष्ण ने कभी इनमें ही विहार किया था, इसलिए कवि इनको देखकर स्वयं को धन्य हुआ मानता है। उसके लिए ये चीज़ें तीर्थ के समान हैं।

प्रश्न 7 : ब्रजभूमि के प्रति कवि रसखान का प्रेम किन-किन रूपों में अभिव्यक्त हुआ है?

उत्तर : ब्रजभूमि के प्रति कवि रसखान का गहरा लगाव है। वह इस जन्म के बाद अगले जन्म में भी ब्रजभूमि में ही अपना जीवन व्यतीत करना चाहते हैं। उनकी कामना है कि ईश्वर उनको अगले जन्म में चाहे ग्वाला बनाए, चाहे गाय; चाहे पक्षी बनाए, चाहे पत्थर; वह उन्हें हर हाल में ब्रजभूमि में ही भेजे। उन्हें ब्रजभूमि के वन-उपवन, सरोवर, करील के कुंज इतने प्यारे हैं कि वे उन पर सर्वस्व भी न्योछावर कर सकते हैं, सोने के महलों की तो बात ही क्या है।

प्रश्न 8 : एक लकुटी और कामरिया पर कवि सबकुछ न्योछावर करने को क्यों तैयार है?

उत्तर : रसखान श्रीकृष्ण के भक्त हैं। उन्हें कृष्ण का ग्वाला रूप बहुत प्रिय है। लकुटी और कामरिया ग्वाले की पहचान होती है; अतः कवि श्रीकृष्ण की लकुटी और कामरिया पर अपना सबकुछ न्योछावर करने को तैयार है।

प्रश्न 9 : सखी ने गोपी से कृष्ण का कैसा रूप धारण करने का आग्रह किया था? अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।

उत्तर : सखी ने गोपी से आग्रह किया था कि यदि उसे श्रीकृष्ण से प्रेम है तो वह श्रीकृष्ण के समान अपने सिर पर मोरपंखों का मुकुट धारण करे। गले में गुंजा की माला पहने। शरीर पर पीले वस्त्र धारण करे। हाथों में कृष्ण के समान ही लाठी पकड़े और कृष्ण की तरह ही पशुओं के संग विचरण करे।

प्रश्न 10 : आपके विचार से कवि पशु, पक्षी और पहाड़ के रूप में भी कृष्ण का सान्निध्य क्यों प्राप्त करना चाहता है?

उत्तर : कवि रसखान कृष्ण के अनन्य भक्त हैं। उनके सवैयों में उनकी यह भावना ही सब जगह अभिव्यक्त हुई है। हमारे विचार से कवि की अपने आराध्य से तन्मयता उन्हें कृष्ण के प्रतिपल साथ के लिए प्रेरित करती है। वे किसी भी रूप में कृष्ण का साथ चाहते हैं। इससे उनकी भक्ति-भावना संतुष्ट होती है। इसीलिए वे पशु, पक्षी, पहाड़ कुछ भी बनकर कृष्ण के साथ ही रहना चाहते हैं।

प्रश्न 11 : चौथे सवैये के अनुसार गोपियाँ अपने आपको विवश क्यों पाती हैं?

उत्तर : इस सवैये के अनुसार गोपियाँ कृष्ण की मुरली की मोहिनी तान तथा मोहक मुसकान के कारण अपने आपको विवश पाती हैं। इनके प्रभाववश वे अपनी सुध-बुध गँवा बैठती हैं और लोक-लाज का भय त्यागकर कृष्ण के वश में हो जाती हैं।

प्रश्न 12 : गोपी को कृष्ण की मुरली अपने होंठों पर रखने में क्यों आपत्ति है?

उत्तर : गोपी कृष्ण की मुरली को अपने होंठों पर इसलिए नहीं रखना चाहती; क्योंकि यही वह वस्तु है, जिसके कारण कृष्ण उसकी ओर ध्यान नहीं देते। गोपी को इसीलिए मुरली पर गुस्सा है। मुरली बजाते समय कृष्ण उसी में खोए रहते हैं; अतः गोपी स्वयं को तिरस्कृत अनुभव करती है। वह अपनी इस उपेक्षा का बदला मुरली से लेना चाहती है। वह उसकी सौत है।

प्रश्न 13 : 'कोटिक ए कलधौत के धाम करील के कुंजन ऊपर वारौं।'– पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : **भाव-स्पष्टीकरण**–रसखान को अपने आराध्य की जन्मस्थली ब्रजभूमि से इतना प्रेम है कि वे वहाँ के काँटेदार करील के कुंजों के ऊपर करोड़ों सोने के महलों को भी न्योछावर कर सकते हैं। भाव यह है कि कवि महलों की अपरिमित सुख-सुविधा को छोड़कर उस ब्रजभूमि में रहकर अधिक सुख पाएगा, जिसमें श्रीकृष्ण रहा करते थे, भले ही उसमें करील के काँटेदार वृक्ष ही क्यों न हों।

प्रश्न 14 : रसखान पक्षी के रूप में जन्म क्यों लेना चाहते हैं?

उत्तर : रसखान अगले जन्म में पक्षी का रूप लेकर भी ब्रजभूमि में ही रहने के लिए व्याकुल हैं पक्षी के रूप में जन्म लेकर वह यमुना-तट पर खड़े कदंब के पेड़ों की डाल पर बसेरा बनाकर रहना चाहते हैं, जिससे कि वह कृष्ण के द्वारा वहाँ की जा रही लीलाओं का रस लूट सकें।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 15 : करील के कुंजों पर कवि क्या न्योछावर करना चाहता है और क्यों?

उत्तर : कवि रसखान करील के कुंजों पर सोने के करोड़ों भवन न्योछावर कर सकते हैं। इसका कारण यह है कि करील के वन-उपवन कृष्ण की लीला-भूमि रहे हैं। कृष्ण की प्रत्येक वस्तु पर भक्त-कवि रसखान अपने सबकुछ न्योछावर कर सकते हैं। कवि को उनमें कृष्ण की निकटता का अनुभव जो होता है।

प्रश्न 16 : कृष्ण के स्वाँग से संबंधित कौन-सा स्वाँग करने में गोपी स्वयं को असमर्थ बताती है और क्यों?

उत्तर : कृष्ण के स्वाँग से संबंधित बस एक ही स्वाँग है, जिसे करने में गोपी स्वयं को असमर्थ बताती है और वह स्वाँग है होंठों पर मुरली धारण करना। वह मुरली को होंठों पर धारण करने में स्वयं को असमर्थ बाताती है; क्योंकि इस मुरली ने ही उनको कृष्ण से दूर कर दिया है।

अभ्यास प्रश्न

निर्देश–*निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर-विकल्प चुनकर लिखिए–*

या लकुटी अरु कामरिया पर राज तिहूँ पुर को तजि डारौं।
आठहुँ सिद्धि नवौ निधि के सुख नंद की गाइ चराइ बिसारौं।।
रसखान कबौं इन आँखिन सौं, ब्रज के बन बाग तड़ाग निहारौं।
कोटिक ए कलधौत के धाम करील के कुंजन ऊपर वारौं।।

1. रसखान श्रीकृष्ण की लाठी और कंबल पर क्या न्योछावर करने को तैयार हैं–

(क) घर-परिवार (ख) धन-दौलत
(ग) तीनों लोकों का राज (घ) कुछ भी नहीं।

2. सिद्धियाँ कितनी होती हैं–

(क) चार (ख) पाँच
(ग) छह (घ) आठ।

3. रसखान अपनी आँखों से किसे निहारना चाहते हैं–

(क) यमुना का जल को
(ख) मंदिर में श्रीकृष्ण की मूर्ति को
(ग) ब्रज के वन-बाग-तड़ाग को
(घ) अपनी वाटिका को।

4. कवि करोड़ों सोने के महल किस पर न्योछावर करना चाहते हैं–

(क) यमुना पर (ख) श्रीकृष्ण पर
(ग) गोकुल गाँव पर (घ) ब्रज के करील के कुंजों पर।

5. 'बन बाग' में कौन-सा अलंकार है–

(क) यमक (ख) उपमा
(ग) रूपक (घ) अनुप्रास।

निर्देश–*दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए–*

6. रसखान किसके उपासक थे–

(क) श्रीराम के (ख) श्रीकृष्ण के
(ग) शिव के (घ) विष्णु के।

7. पशु के रूप में रसखान क्या बनना चाहते हैं–

(क) बैल (ख) गाय
(ग) हाथी (घ) घोड़ा।

8. रसखान का मूल नाम क्या था–

(क) मोहम्मद सलीम (ख) सैयद इब्राहिम
(ग) अब्दुल्ला खान (घ) खरीफ खान।

निर्देश–*दिए गए प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए–*

9. कवि की आँखें किन-किन चीज़ों को निहारना चाहती हैं?

10. कवि का ब्रज के वन, बाग और तालाब निहारने के पीछे क्या कारण है?

11. एक लकुटी और कामरिया पर कवि सबकुछ न्योछावर करने को क्यों तैयार है?

12. चौथे सवैये के अनुसार गोपियाँ अपने आपको विवश क्यों पाती हैं?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in